सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने युवाओं को **सड़क सुरक्षा** उपायों में सहभागी बनाने तथा दुर्घटनाओं तथा **मृत्यु-दर** को कम करने के लिये, **सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH)** द्वारा प्रारंभ किये गये **सड़क सुरक्षा मित्र (SSM) कार्यक्रम** का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- **सड़क सुरक्षा मित्र (SSM) कार्यक्रम के बारे में:**
  - यह पहल **युवा मामले और खेल मंत्रालय** के सहयोग से प्रारम्भ की गई है। इसके अंतर्गत **MYBharat प्लेटफॉर्म** के माध्यम से स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित कर तैनात किया जाएगा।
- **लक्ष्य:**
  - इस कार्यक्रम का लक्ष्य **18 से 28 वर्ष की आयु के ऐसे युवा हैं**, जिनका कोई यातायात चालान लंबित नहीं है। इसके **पहले चरण में** देशभर के **100 ज़िलों** को शामिल किया जाएगा।
- **प्रशिक्षण कार्यक्रम:**
  - **सामान्य स्वयंसेवक:** एक सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें प्राथमिक उपचार एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता सम्मिलित होगी।
  - **सिविल इंजीनियरिंग स्नातक:** 15-दिवसीय प्रशिक्षण, जिसमें रोड सेफ्टी ऑडिट, ब्लैक स्पॉट की पहचान, जागरूकता अभियान एवं फील्ड सर्वे शामिल होंगे।
- **सम्मान:**
  - उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को **प्रमाण-पत्र और गुड सेमेरिटन पुरस्कार** प्रदान किये जाएंगे।
- **कार्यान्वयन:**
  - यह पहल उत्तर प्रदेश के **28 ज़िलों** में लागू की जाएगी, जिनमें कानपुर नगर, बुलंदशहर, प्रयागराज और आगरा आदि शामिल हैं।
- **कार्यक्रम निरीक्षण:**
  - **ज़िला सड़क सुरक्षा समितियाँ (DRSC)**, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के 12-चरणीय रोडमैप के अनुरूप, स्वयंसेवकों को शामिल करने, प्रशिक्षण देने और मासिक निष्पादन समीक्षा सहित कार्यान्वयन सुनिश्चित करेंगी।
- **अपेक्षित परिणाम:**
  - सड़क दुर्घटनाओं एवं चोटों में कमी
  - आपातकालीन सेवाओं में सुधार
  - सड़क सुरक्षा में युवाओं की भागीदारी में वृद्धि
  - प्रशिक्षण, क्षेत्र अध्ययन और डाटा-आधारित रिपोर्टिंग के माध्यम से ज़िला-स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रणाली का सशक्तीकरण

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sadak-suraksha-mitra-initiative